

प्रेस विज्ञप्ति

राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुग्राम के ताज नगर और डाबोदा में वृक्षारोपण स्थलों का उद्घाटन किया

ताज नगर, गुरुग्राम | 21 सितंबर 2026: केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार, राव इंद्रजीत सिंह ने आज हरियाणा के गुरुग्राम जिले के फरुखनगर ब्लॉक स्थित ताज नगर गांव में 'अमर शहीद राव तुलाराम पार्क' का उद्घाटन किया। ताज नगर में उद्घाटन के बाद राव इंद्रजीत सिंह ने फरुखनगर के डाबोदा गांव में भी वृक्षारोपण स्थल का उद्घाटन किया। दोनों वृक्षारोपण स्थल गुरुग्राम जिले में सीआईआई फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायतों के साथ साझेदारी में और पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के सहयोग से संचालित व्यापक वृक्षारोपण पहल का हिस्सा हैं।

इस अवसर पर राव इंद्रजीत सिंह ने कहा, “डाबोदा और ताज नगर में वृक्षारोपण स्थलों का उद्घाटन पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु अनुकूलन के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। सीआईआई फाउंडेशन द्वारा पीटीसी फाइनेंशियल सर्विसेज के सहयोग से संचालित इस पहल के तहत डाबोदा में 9 एकड़ से अधिक और ताज नगर में 10 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत लगभग 30,000 पेड़ लगाने का लक्ष्य है। स्थलों के दौरे के दौरान वृक्षारोपण के उत्कृष्ट सर्वाइवल रेट को देखकर मैं विशेष रूप से प्रभावित हुआ। पौधों की स्वस्थ वृद्धि को देखना उत्साहजनक था और मुझे एक भी सूखा या मृत पौधा देखने को नहीं मिला, जो कार्यान्वयन टीमों और स्थानीय समुदायों के समर्पण और निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। यह स्वच्छ हवा, बेहतर जैव-विविधता, भूजल संरक्षण और स्थानीय समुदायों के लिए स्वस्थ भविष्य में एक निवेश है। इस सार्थक बदलाव को आगे बढ़ाने में उद्योग, नागरिक समाज और स्थानीय हितधारकों के बीच साझेदारी सराहनीय है।”

इस अवसर पर श्रीमती **बिमला** चौधरी, विधायक, पटौदी; श्रीमती **दीपाली** चौधरी, चेयरमैन, जिला परिषद (जिला प्रमुख), गुरुग्राम; श्री आशीष निगम, उपाध्यक्ष, सीएसआर, पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड; विभिन्न गांवों के सरपंचों सहित समुदाय के सदस्य; सीआईआई के स्वयंसेवक तथा अन्य प्रमुख हितधारक उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण में भाग लिया और हरित एवं टिकाऊ भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास किया।

ताज नगर वृक्षारोपण स्थल का उद्घाटन क्षेत्र में सामुदायिक स्वामित्व वाले हरित स्थलों के विकास के लिए सीआईआई फाउंडेशन के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ाता है। पिछले वर्ष जुडोला गांव में एक वृक्षारोपण स्थल का उद्घाटन किया गया था। इस वर्ष ताज नगर और डाबोदा में दो और सामुदायिक वृक्षारोपण स्थलों का विकास किया जा रहा है।

ताज नगर में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित वृक्षारोपण स्थल पर वर्ष 2025 से अब तक 13,200 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें नीम, पीपल और आम सहित देशज, फलदार, पुष्पीय तथा सांस्कृतिक महत्व

वाली विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। चंपा, गुलाब और चंदन जैसी प्रजातियां भी इस स्थल की जैव-विविधता और पर्यावरणीय एवं आर्थिक महत्त्व को बढ़ाती हैं।

वहीं, डाबोदा गांव में लगभग 9 एकड़ क्षेत्र में 19,310 पौधे लगाए गए हैं। यहां नींबू, जामुन और गूलर जैसी फलदार, देशज एवं जैव-विविधता को बढ़ावा देने वाली प्रजातियों के साथ मेहंदी, करी पत्ता और अन्य प्रजातियां लगाई गई हैं।

यह व्यापक वृक्षारोपण पहल क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने, पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इसके तहत ग्राम पंचायतों के स्वामित्व वाली गांव की अनुपयोगी एवं कम उपयोग वाली भूमि को हरित क्षेत्रों में विकसित किया जा रहा है। स्थानीय समुदाय इन स्थलों की योजना बनाने, पौध तैयार करने तथा उनके रखरखाव में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

बहु-पक्षीय और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण के तहत संचालित यह कार्यक्रम वृक्षारोपण को केवल एक बार की गतिविधि के रूप में न देखते हुए दीर्घकालिक और टिकाऊ सामुदायिक हरित क्षेत्र विकसित करने पर केंद्रित है। इसके तहत पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग, ड्रिप सिंचाई व्यवस्था, समर्पित पौध देखभाल कर्मियों की व्यवस्था तथा दीर्घकालिक रखरखाव में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

वर्ष 2025 से अब तक इस पहल के तहत फरुखनगर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में 66 एकड़ भूमि को कवर करते हुए 87,000 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, सीआईआई फाउंडेशन जलवायु अनुकूलन क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित है। जहां फरुखनगर में पहल के तहत जैव-विविधता को बढ़ावा देने वाले वृक्षारोपण स्थलों का निर्माण किया जा रहा है, वहीं हरियाणा के अन्य क्षेत्रों और पंजाब में फाउंडेशन अपनी फसल अवशेष प्रबंधन पहल के माध्यम से खेतों में पराली जलाने की समस्या को कम करने, वायु प्रदूषण से निपटने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। पिछले वर्ष, दोनों राज्यों के 1,000 से अधिक गांवों में किए गए हस्तक्षेपों के माध्यम से 85% पराली को जलने से रोका गया। ये सहयोगात्मक मॉडल दर्शाते हैं कि सरकार, समुदाय और कॉर्पोरेट साझेदार मिलकर किस प्रकार जलवायु-अनुकूल, जैव-विविधता से समृद्ध और टिकाऊ ग्रामीण परिदृश्यों का निर्माण कर सकते हैं।

मीडिया संबंधी जानकारी के लिए संपर्क करें:

जिब्रान ज़ाकिर, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर - jibran.zakir@cii.in

अनय कुमार, एसोसिएट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर - anay.kumar@ciifoundation.in